Dainik Bhaskar (Indore), 16th March 2020, Page-4

विक्रम यूनिवर्सिटी के नए कुलपति की प्रक्रिया शुरू

आईआईएम और आईआईटी के निदेशक भी देंगे कुलपति के लिए पसंद का नाम

भास्कर संवाददाता | इंदौर

उज्जैन की विक्रम यूनिवर्सिटी के नए कुलपति की नियुक्ति की कवायद शुरू हो गई है। आवेदन की प्रक्रिया शुरू होते ही कई दावेदारों के नाम सामने आने लगे हैं। 9 अप्रैल तक आवेदन होंगे। यह प्रक्रिया ऑफलाइन होगी। पहली बार कुलपति चयन में आईआईएम, आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर अपनी तरफ से कोई प्रतिष्ठित नाम प्रस्तावित कर सकेंगे।

हालांकि कुलपति के चयन के लिए जो कमेटी बनेगी, वही तीन नामों के पैनल तैयार कर राजभवन को सौंपेगी। उसी में से एक नाम पर मुहर लगेगी। किसी खास परिस्थिति में राजभवन नया नाम अपनी तरफ से भी आवेदन के आधार पर घोषित कर सकता है।

धारा 52 लगने के कारण उज्जैन यूनिवर्सिटी में स्थायी कुलपति की नियुक्ति प्रक्रिया लंबित पड़ी थी। इस बार कुलपति पद पर नियुक्ति के लिए आवेदकों को प्रेजेंटेशन भी देना होगा। कमेटी के समक्ष आवेदकों को अपनी उपलब्धियों और प्रशासनिक, अकादमिक क्षमताओं के बारे में भी बताना होगा।

इंदौर से ये नाम प्रभावी

इंदौर से होलकर कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. एसएल गर्ग का नाम सामने आया है। उनके अलावा शिक्षाविद् डॉ. मंगल मिश्रा का नाम भी प्रमुखता से उभरा है। होलकर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुरेश सिलावट (पूर्व मंत्री तुलसी सिलावट के सगे भाई हैं) का भी नाम आया है। प्रदेश में अगर भाजपा की सरकार बनती है तो सिलावट का नाम प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सकता है। इसके अलावा देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के कुलपति रहे डॉ. आशुतोष मिश्रा का नाम भी संघ की पहली पसंद के तौर पर सामने है। डीएवीवी के स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के डायरेक्टर रहे डॉ. गणेश कावड़िया, होलकर कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. केएन चतुर्वेदी, डॉ. अशोक शर्मा, डॉ. प्रियंका जैन के नाम भी चर्चा में हैं। इनमें से ज्यादातर शिक्षाविद् कुछ सालों में अलग-अलग यूनिवर्सिटी के लिए हुई कुलपति चयन प्रक्रिया में आवेदन कर चुके हैं।